DR. SASMIT PATRA: Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI JOSE K. MANI: Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

**Enhancing financial assistance to persons injured in various kinds of accidents**

**श्रीमती विप्लव ठाकुर** (हिमाचल प्रदेश): माननीय सभापति जी, आज मैं बहुत ही महत्वपूर्ण विषय को सदन में उठाने जा रही हूं। मैं उन लोगों की बात करने जा रही हूं जो accidents में घायल हो जाते हैं, फिर चाहे रेल एक्सीडेंट्स हों, बस एक्सीडेंट्स हों फायर victims हों या natural disaster के victims हों, उन्हें जो compensation दिया जाता है, मैं समझती हूं कि वह बहुत थोड़ा होता है।

महोदय, जिनकी मृत्यु हो जाती है, जो मर जाते हैं, उनके लिए हमें बहुत दुख होता है और हम उन्हें काफी compensation देते हैं। लेकिन जो घायल व्यक्ति होते हैं, जिनके treatment में बहुत पैसा लगता है, उनमें कई गरीब लोग भी होते हैं, जो यह खर्च afford नही कर सकते। कई बार ऐसा भी होता है कि उनके fractures हो जाते हैं, brain damage हो जाता है, spinai cord damage हो जाती है, जिसकी वजह से उन्हें कई सालों तक बिस्तरे पर ही रहना पड़ता है। कई बार इन गरीबों को अपने इलाज के लिए अपने घर तक बेचने पड़ते हैं, क्योंकि उनके पास अपने इलाज के लिए पैसे नही होते।

सभापति जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह निवेदन करती हूं कि जो तय राशि है, उसको बढ़ाना चाहिए। हम उन्हें इलाज के लिए 25 हज़ार रुपये दे देते हैं, कही-कही 50 हज़ार रुपये भी दे देते हैं, लेकिन इससे उनका इलाज नही हो पाता है और वे बेचारे सारी जिंदगी उसी हालत में रह जाते हैं। मेरा अनुरोध है कि इनके लिए फायनेंशियल हैल्प में बढ़ोतरी होनी चाहिए, ये रूल बदलने चाहिए। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से इसको करने के लिए अनुरोध करूंगी। क्योंकि सोशल वेलफेयर मंत्री जी यहाँ पर बैठे हुए हैं, इसलिए मैं उनसे यह कहना चाहूंगी कि इसके बारे में सोचा जाए और उनका जितना treatment होता है, इस राशि को उसके हिसाब से बढ़ाकर राहत दी जानी चाहिए। इन्ही शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करती हूं कि आपने मुझे सदन में यह विषय उठाने का अवसर दिया है, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

**श्री मधुसूदन मिस्त्री** : महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

**श्री हुसैन दलवई** : महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

SHRI B.K. HARIPRASAD : Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI RIPUN BORA : Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI JOSE K. MANI : Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI P. WILSON : Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA : Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

**Need to accord International status to Jai Prakash Narayan Airport at Patna**

**श्री अखिलेश प्रसाद सिंह** (बिहार): महोदय, जयप्रकाश नारायण एयरपोर्ट देश के सबसे अधिक व्यस्त रहने वाले एयरपोर्ट्स में से सोलहवें स्थान पर आता है, लेकिन इसकी हवाई पट्टी छोटी होने के कारण इसका वर्गीकरण प्रतिबंधित अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की श्रेणी में किया गया है। इसकी हवाई पट्टी पूर्वी दिशा से विमानों की लैंडिंग करने हेतु 1,938 मीटर तथा पश्चिम दिशा में 1,677 मीटर लंबी है, जो कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की हवाई पट्टी की तुलना में लंबाई में बहुत ही कम है, जिससे कि यहाँ पर बड़े यात्री विमानों को नही उतारा जा सकता है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार यहाँ पर लगभग 41 लाख यात्रियों का आवागमन वार्षिक स्तर पर होता है। इतना अधिक आवागमन और यात्रियों की उपलब्धता को देखते हुए हवाई पट्टी की लंबाई को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार बढ़ाए जाने की प्राथमिक आवश्यकता प्रतीत होती है। यात्रियों की संख्या में प्रति वर्ष वृद्धि, जो कि वर्ष 2035 तक 60 लाख यात्री वार्षिक हो जाने की संभावना है, उसको देखते हुए टर्मिनल भवन का विस्तारीकरण विश्व स्तरीय मानकों के अनुसार किया जाना भी यात्री सुविधाएं दिए जाने की दृष्टि से अति आवश्यक है। बड़े विमानों को उतारने की दृष्टि से एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा बिहटा एयर फोर्स स्टेशन, जो कि पटना से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, पर सिविल एंक्लेव विकसित किए जाने की योजना है। उस पर तीव्र गति से कार्य नही किया जाना इस बात का प्रमाण है कि अभी इसे शीघ्र ही मूर्त रूप दिया जाना प्रतीत नही होता। इस स्थिति में मेरा सरकार से आग्रह है कि पटना शहर के ऐतिहासिक महत्व को देखते यहाँ के एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप दिए जाने हेतु समयबद्ध कार्ययोजना बनाई जाए तथा पटना के दूसरे नये एयरपोर्ट बिहटा का कार्य भी शीघ्र ही संपन्न हो, यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। आपने मुझे यहाँ पर बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

**Need to end conflict between farmers and wild animals**

**श्री रवि प्रकाश वर्मा** (उत्तर प्रदेश): सभापति जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। सभापति जी, मैं एक बहुत महत्वपूर्ण बात बताना चाहता हूं कि वन्य पशुओं की तादाद बढ़ जाने के कारण वे संरक्षित वनों से बाहर आ रहे हैं तथा गन्ने के खेतों में स्थायी रूप से रहने लगे हैं। उत्तर प्रदेश